

रजिस्ट्रेशन नम्बर—एस०एस०पी०/एल०— डब्लू०/एन०पी०/91/2014—16 लाइसेन्स टू पोस्ट ऐट कन्सेशनल रेट

सरकारी गजट, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

असाधारण

विधायी परिशिष्ट भाग-4, खण्ड (क)

(सामान्य परनियम नियम)

लखनऊ, शनिवार, 21 जून, 2025 ज्येष्ठ 31, 1947 शक सम्वत्

उत्तर प्रदेश शासन

राज्य कर अनुभाग-2

संख्या 623 / ग्यारह-2—25-9(42)-17- टी०सी० 73 उ०प्र०जी०एस०टी० नियम-2017-आदेश(349)-2025 लखनऊ, 21 मई, 2025

अधिसूचना

सा0प0नि0-41

उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम, 1904 (अधिनियम संख्या 1 सन् 1904) की धारा 21 के साथ पठित उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर अधिनियम, 2017 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 2017) की धारा 164 द्वारा प्रदत्त शिक्तयों का प्रयोग करके राज्यपाल, परिषद् की सिफारिशों पर, एतद्द्वारा उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर नियमावली, 2017 का अग्रतर संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियमावली बनाती हैं, अर्थात् :—

उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (सड़सठवाँ संशोधन) नियमावली, 2025

- 1—(1) यह नियमावली उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (सड़सठवाँ संशोधन) नियमावली, 2025 कही जायेगी।
- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

- (2) यह दिनांक 27 मार्च 2025 से प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।
- 2- उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर नियमावली 2017 में, नियम 164 में,-

नियम 164 का संशोधन

(i) उपनियम (4) में शब्द ''उक्त उपधारा के अधीन अधिसूचित तारीख को या इससे पूर्व केवल उक्त सूचना या कथन या आदेश में माँग किए गए कर की पूर्ण रकम'' के स्थान पर शब्द ''उक्त उपधारा के अधीन अधिसूचित तारीख को या इससे पूर्व केवल उक्त उपधारा में उल्लिखित अविध से संबंधित कर की पूर्ण रकम और उक्त सूचना या कथन या आदेश में मांग किए गए कर'' रख दिये जाएंगे।

(ii) उपनियम (4) के पश्चात निम्नलिखित स्पष्टीकरण बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात:—

स्पष्टीकरण— उन मामलों में जहां अधिनियम की धारा 128क की उपधारा (1) में उल्लिखित कोई सूचना या विवरण या आदेश में, जिसमें आंशिक रूप से उक्त उपधारा में उल्लिखित अविध के लिए और आंशिक रूप से उक्त उपधारा में उल्लिखित अविध के लिए और आंशिक रूप से उक्त उपधारा में उल्लिखित अविध से भिन्न किसी अन्य अविध के लिए कर की मांग सम्मिलित है, ऐसे किसी भी कर, ब्याज और शास्ति के लिए कोई प्रतिदाय उपलब्ध नहीं होगा, जिसका उत्तर प्रदेश माल और सेवा कर (सड़सठवां संशोधन) नियमावली, 2025 के प्रारंभ होने से पूर्व संपूर्ण अविध के लिए पहले ही उन्मोचन कर दिया गया है।

(iii) उपनियम ७ में, पहले परंतुक के पश्चात् निम्नलिखित परंतुक बढ़ा दिया जाएगा, अर्थात:—

"परन्तु यह और कि जहाँ धारा 128 क की उपधारा (1) में उल्लिखित कोई सूचना या विवरण या आदेश में, जिसमें आंशिक रूप से उक्त उपधारा में उल्लिखित अविध के लिए और आंशिक रूप से उक्त उपधारा में उल्लिखित अविध के लिए और आंशिक रूप से उक्त उपधारा में उल्लिखित अविध से मिन्न अन्य अविध के लिए कर की मांग भी सिम्मिलित है, आवेदक अपील वापस लेने के बजाय अपील प्राधिकारी या अपील न्यायाधिकरण को सूचित करेगा कि वह उक्त उपधारा में उल्लिखित अविध के लिए अपील को आगे नहीं बढ़ाना चाहता है, और संबंधित प्राधिकारी उक्त अनुरोध पर ध्यान देने के पश्चात उक्त उपधारा में उल्लिखित अविध से मिन्न अन्य अविध के लिए ऐसा आदेश पारित करेगा जिसे वह उचित और न्यायसंगत समझे।

स्पष्टीकरण— शंका को दूर करने के लिये, यह स्पष्ट किया जाता है कि अपील आवेदन धारा 128 क के उपखण्ड (3) के प्रयोजनार्थ 1 जुलाई, 2017 से 31 मार्च, 2020 या उसके भाग की अविध के लिये उक्त सूचना के विस्तार तक वापस लिया हुआ समझा जायेगा।"

आज्ञा से, एम0 देवराज, प्रमुख सचिव।

In pursuance of the provision of clause (3) of Article 348 of the Constitution of India, the Governor is pleased to order the publication of the following English translation of Government notification no. 623/XI-2–25-9(42)-17 T.C.-73-U.P. GST Rules-2017-Order (349) - 2025, dated May 21, 2025 :

No. 623/XI-2-25-9(42)-17-T.C.-73-U.P. GST Rules-2017-Order(349)-2025

Dated Lucknow, May 21, 2025

IN exercise of the powers conferred by section 164 of the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Act, 2017 (U.P. Act no. 1 of 2017), *read* with section 21 of the Uttar Pradesh General Clauses Act, 1904 (Act no. 1 of 1904), the Governor, on the recommendations of the Council, hereby makes the following rules to further amend the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Rules, 2017, namely:-

The Uttar Pradesh Goods and Services Tax (Sixty-Seventh Amendment) Rules, 2025

Short title and commencement

- 1. (1) These rules may be called the Uttar Pradesh Goods and Services Tax (Sixty-seventh Amendment) Rules, 2025.
- (2) They shall be deemed to have come into force with effect from the 27th day of March, 2025.

2. In the Uttar Pradesh Goods and Services Tax Rules, 2017,-

Amendment of rule 164

a. in rule 164, -

i. in sub-rule (4), after the words "after payment of the full amount of tax", the words "related to period mentioned in the said sub-section and" shall be *inserted*.

ii. after sub-rule (4), the following Explanation shall be inserted, namely:-

"Explanation,- No refund shall be available for any tax, interest, and penalty, which has already been discharged for the entire period, prior to the commencement of the Uttar Pradesh Goods and Services Tax (Sixty Seventh Amendment) Rules, 2025, in cases where a notice or statement or order mentioned in sub-section (1) of section 128A, includes a demand of tax, partially for the period mentioned in the said sub-section and partially for a period other than mentioned in the said sub-section."

(b) in rule 164, in sub-rule 7, after the first proviso, the following proviso shall be *inserted*, namely:-

"Provided further that where the notice or statement or order mentioned in sub-section (1) of section 128 A of the Act includes demand of tax, partially for the period mentioned in the said sub-section and partially for the period other than that mentioned in the said sub-section, the applicant instead of withdrawing the appeal, shall intimate the appellate authority or Appellate Tribunal that he does not wish to pursue the appeal for the period mentioned in the said sub-section and the relevant authority shall, after taking note of the said request, pass such order for the period other than that mentioned in the said sub-section, as he thinks just and proper.

Explanation,- For the removal of doubt, it is clarified that the appeal application shall be deemed to have been withdrawn to the extent of the said intimation for the period from the 1st July, 2017 to the 31st March, 2020 or part thereof, for the purpose of sub-clause (3) of section 128A."

By order,
M. DEVARAJ,
Pramukh Sachiv.

पी०एस०यू०पी०—ए०पी० ७२ राजपत्र—२०२५—(२२२)—५९९ प्रतियां (कम्प्यूटर/टी०/ऑफसेट)। पी०एस०यू०पी०—ए०पी० ४ सा० राज्य कर—२०२५—(२२३)—१००० प्रतियां (कम्प्यूटर/टी०/ऑफसेट)।